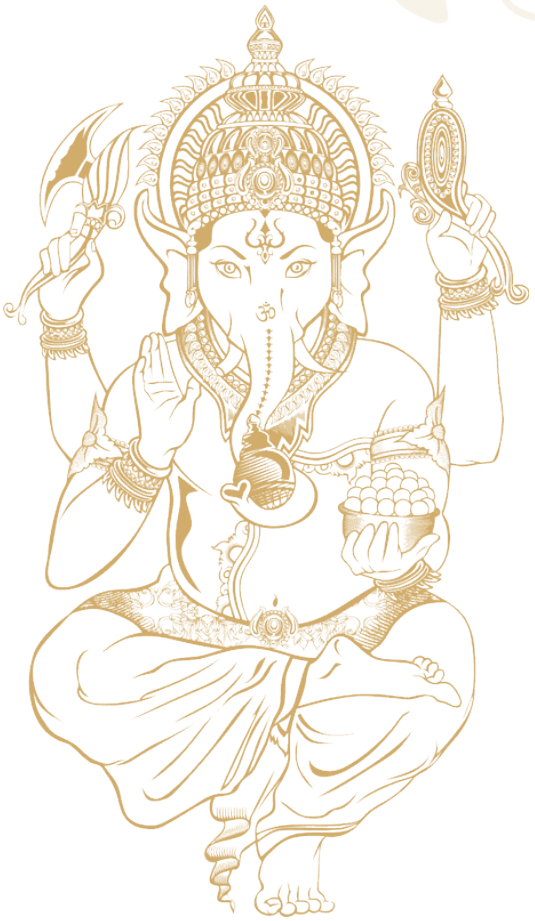

# ?????

03 Oct 1997

03:08 AM

Baruipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121708903

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **2-03/10/1997** |
| दिन | गुरु-शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **03:08:00 घंटे** |
| इष्ट | 54:09:35 घटी |
| **स्थान** | **Baruipur** |
| राज्य | West Bengal |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 22:22:00 उत्तर |
| रेखांश | 88:25:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | 00:23:40 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 03:31:40 घंटे |
| वेलान्तर | 00:10:35 घंटे |
| साम्पातिक काल | 04:18:13 घंटे |
| सूर्योदय | 05:28:09 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:22:59 घंटे |
| दिनमान | 11:54:49 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शरद |
| सूर्य के अंश | 15:53:54 कन्या |
| लग्न के अंश | 12:45:41 सिंह |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | सिंह - सूर्य |
| **राशि-स्वामी** | **कन्या - बुध** |
| **नक्षत्र-चरण** | **चित्रा - 2** |
| नक्षत्र स्वामी | मंगल |
| योग | ऐन्द्र |
| करण | बालव |
| गण | राक्षस |
| योनि | व्याघ्र |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | वैश्य |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मूषक |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | भूमि |
| जन्म नामाक्षर | पो-पोशाली |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | तुला |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | सिंह | 12:45:41 | 329:01:34 | मघा | 4 | 10 | सूर्य | केतु | बुध | --- |
| सूर्य | | | कन्या | 15:53:54 | 00:59:05 | हस्त | 2 | 13 | बुध | चंद्र | शनि | सम राशि |
| चंद्र | | | कन्या | 29:00:20 | 11:58:45 | चित्रा | 2 | 14 | बुध | मंगल | शनि | मित्र राशि |
| मंगल | | | वृश्चि | 08:57:29 | 00:42:15 | अनुराधा | 2 | 17 | मंगल | शनि | शुक्र | स्वराशि |
| बुध | | अ | कन्या | 07:22:31 | 01:47:59 | उ०फाल्गुनी | 4 | 12 | बुध | सूर्य | केतु | उच्च राशि |
| गुरु | व | | मक | 18:18:53 | 00:01:04 | श्रवण | 3 | 22 | शनि | चंद्र | बुध | नीच राशि |
| शुक्र | | | वृश्चि | 00:03:05 | 01:07:47 | विशाखा | 4 | 16 | मंगल | गुरु | चंद्र | सम राशि |
| शनि | व | | मीन | 23:39:21 | 00:04:40 | रेवती | 3 | 27 | गुरु | बुध | मंगल | सम राशि |
| राहु | व | | सिंह | 25:53:39 | 00:02:45 | पू०फाल्गुनी | 4 | 11 | सूर्य | शुक्र | केतु | शत्रु राशि |
| केतु | व | | कुंभ | 25:53:39 | 00:02:45 | पू०भाद्रपद | 2 | 25 | शनि | गुरु | केतु | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | मक | 10:58:03 | 00:00:34 | श्रवण | 1 | 22 | शनि | चंद्र | चंद्र | --- |
| नेप | व | | मक | 03:21:59 | 00:00:12 | उत्तराषाढ़ा | 3 | 21 | शनि | सूर्य | शनि | --- |
| प्लूटो | | | वृश्चि | 09:41:47 | 00:01:35 | अनुराधा | 2 | 17 | मंगल | शनि | शुक्र | --- |
| दशम भाव | | | वृष | 12:35:36 | -- | रोहिणी | -- | 4 | शुक्र | चंद्र | राहु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:28

## लग्न-चलित

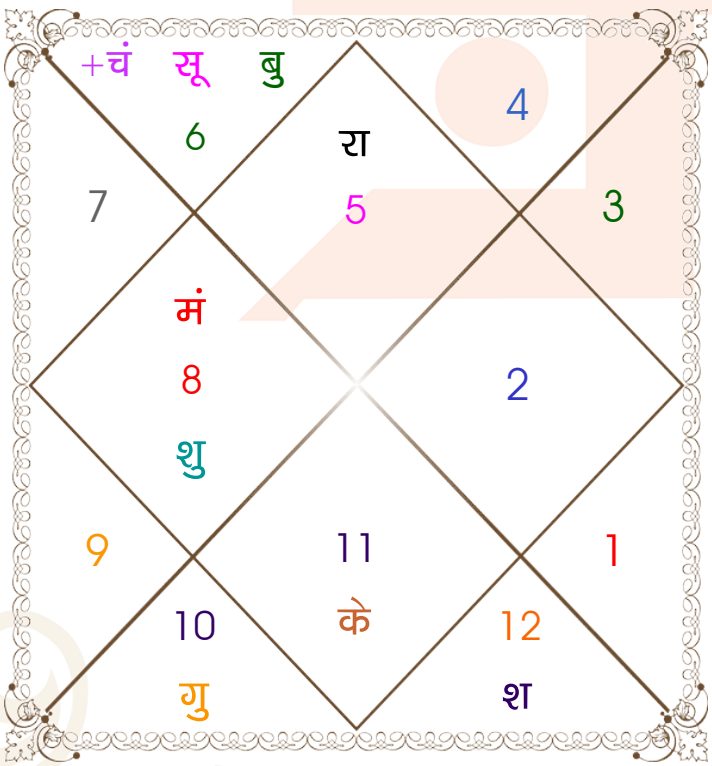


## चन्द्र कुंडली

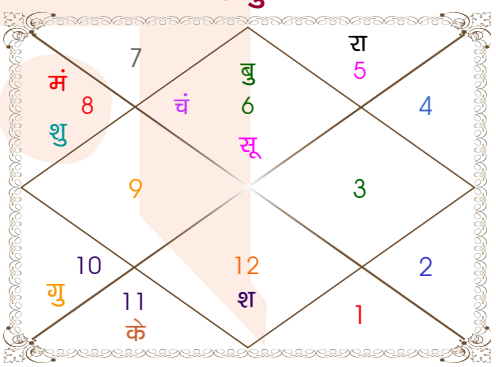


## नवमांश कुंडली

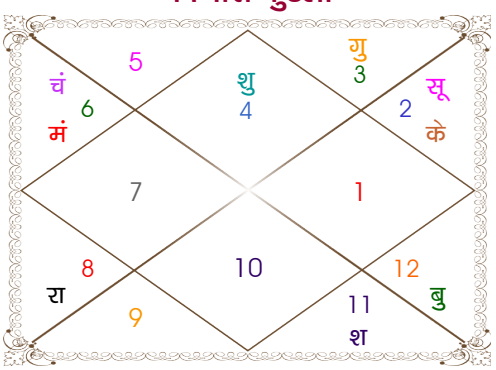

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 0 मास 8 दिन

| मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 03/10/1997 | | 11/10/2001 | | 11/10/2019 | | 11/10/2035 | | 11/10/2054 | |
| 11/10/2001 | | 11/10/2019 | | 11/10/2035 | | 11/10/2054 | | 11/10/2071 | |
| | 00/00/0000 | राहु | 23/06/2004 | गुरु | 28/11/2021 | शनि | 14/10/2038 | बुध | 09/03/2057 |
| | 00/00/0000 | गुरु | 16/11/2006 | शनि | 11/06/2024 | बुध | 23/06/2041 | केतु | 06/03/2058 |
| | 03/10/1997 | शनि | 22/09/2009 | बुध | 17/09/2026 | केतु | 02/08/2042 | शुक्र | 04/01/2061 |
| शनि | 11/04/1998 | बुध | 11/04/2012 | केतु | 24/08/2027 | शुक्र | 02/10/2045 | सूर्य | 10/11/2061 |
| बुध | 09/04/1999 | केतु | 29/04/2013 | शुक्र | 24/04/2030 | सूर्य | 14/09/2046 | चंद्र | 12/04/2063 |
| केतु | 05/09/1999 | शुक्र | 29/04/2016 | सूर्य | 10/02/2031 | चंद्र | 14/04/2048 | मंगल | 08/04/2064 |
| शुक्र | 04/11/2000 | सूर्य | 24/03/2017 | चंद्र | 11/06/2032 | मंगल | 24/05/2049 | राहु | 26/10/2066 |
| सूर्य | 12/03/2001 | चंद्र | 23/09/2018 | मंगल | 18/05/2033 | राहु | 30/03/2052 | गुरु | 31/01/2069 |
| चंद्र | 11/10/2001 | मंगल | 11/10/2019 | राहु | 11/10/2035 | गुरु | 11/10/2054 | शनि | 11/10/2071 |

| केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 11/10/2071 | | 11/10/2078 | | 11/10/2098 | | 11/10/2104 | | 12/10/2114 | |
| 11/10/2078 | | 11/10/2098 | | 11/10/2104 | | 12/10/2114 | | 00/00/0000 | |
| केतु | 08/03/2072 | शुक्र | 09/02/2082 | सूर्य | 29/01/2099 | चंद्र | 12/08/2105 | मंगल | 10/03/2115 |
| शुक्र | 08/05/2073 | सूर्य | 10/02/2083 | चंद्र | 30/07/2099 | मंगल | 13/03/2106 | राहु | 28/03/2116 |
| सूर्य | 13/09/2073 | चंद्र | 10/10/2084 | मंगल | 05/12/2099 | राहु | 12/09/2107 | गुरु | 04/03/2117 |
| चंद्र | 14/04/2074 | मंगल | 11/12/2085 | राहु | 30/10/2100 | गुरु | 11/01/2109 | शनि | 04/10/2117 |
| मंगल | 11/09/2074 | राहु | 10/12/2088 | गुरु | 18/08/2101 | शनि | 12/08/2110 | | 00/00/0000 |
| राहु | 29/09/2075 | गुरु | 11/08/2091 | शनि | 31/07/2102 | बुध | 12/01/2112 | | 00/00/0000 |
| गुरु | 04/09/2076 | शनि | 11/10/2094 | बुध | 06/06/2103 | केतु | 12/08/2112 | | 00/00/0000 |
| शनि | 14/10/2077 | बुध | 11/08/2097 | केतु | 12/10/2103 | शुक्र | 12/04/2114 | | 00/00/0000 |
| बुध | 11/10/2078 | केतु | 11/10/2098 | शुक्र | 11/10/2104 | सूर्य | 12/10/2114 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 0 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगी। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगी, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगी।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगी। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगी।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति की महिला है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगी। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगी। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगी। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेती हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगीं। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगी।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेती हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करती हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करती हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगी। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगी तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग की भुक्त भोगी होंगी। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।